पार्थ
हॉस्पिटल

सुनिश्चित स्वस्थता

आश्वस्त सकुशलता

ब्रीफ़ पल्स थैरेपी

साइकेट्री (मनोरोग चिकित्सा) | साइकोलॉजी (मनोविज्ञान) | न्यूरो–साइकेट्री (स्नायविक मनोरोग चिकित्सा)

इलेक्ट्रोकंवल्सिव थैरेपी को ब्रीफ़ पल्स थैरेपी भी कहा जाता है.

इलेक्ट्रोकंवल्सिव थैरेपी अनेक दशकों से विभिन्न मानसिक रोगों के लिए एक वैकल्पिक उपचार है. समय के साथ तकनीकी मापदंडों में उन्नयन, अनुप्रयोग तकनीक तथा नई दवाओं के आगमन के कारण इलेक्ट्रोकंवल्सिव थैरेपी अब उपचार के एक अधिक सुरक्षित, सहनीय एवं प्रभावी स्वरूप में बदल गई है.

चिकित्सा के इस नए स्वरूप में वांछित प्रभाव उत्पन्न करने के लिए एनेस्थीसिया के अंतर्गत उद्दीपन के अधिक संकीर्ण स्पंदन का उपयोग किया जाता है. इस प्रकार के उपचार को ब्रीफ़ पल्स थैरेपी कहा जाता है.

ब्रीफ़ पल्स थैरेपी मनोरोग चिकित्सा में अनेक अवस्थाओं में देखभाल का एक ''स्वर्णिम मानक'' है.

संकेतों में शामिल हैं:

- मेनिया (उन्माद)
- कैटेटोनिया
- बायपोलर मूड डिसऑर्डर (द्विध्रुरीय मनोदशा विकार)
- मेजर डिप्रेसिव डिसऑर्डर (वृहत अवसादात्मक विकार)
- न्यूरोलेप्टिक मेलिग्नेन्ट सिंड्रोम
- स्किज़ोफ्रेनिया और संबद्ध मनोरोग अवस्थाएँ
- मानसिक विकारों के परिणामस्वरूप आत्महत्या की प्रवृत्ति
- मानसिक विकारों के परिणामस्वरूप हिंसक/आक्रामक व्यवहार

पार्थ हॉस्पिटल में हम सुरक्षित और प्रभावी बीपीटी उपलब्ध करवाने के लिए सर्वाधिक उन्नत संसाधनों का उपयोग करते हैं.

अगर कोई जटिलता उत्पन्न होती है तो उससे प्रभावी रूप से निपटने के लिए हमारे पास आपातकालीन दवाएँ हमेशा उपलब्ध होती हैं.

आरएमएस पीसी–एक्टन
(वैकल्पिक अंतर्निर्मित ईईजी रिकॉर्डिंग)

फिलिप्स एमपी–5
मल्टिपेरामीटर कार्डिएक मॉनिटर

बीपीएल मोनोफेसिक डेफिब्रिलेटर
एवं सक्शन मशीन

एंडोट्रेकियल इंट्यूबेशन किट
(लेरिंगोस्कोप + एंडोट्रेकियल ट्यूब्स)
और आपातकालीन दवाएँ

ब्रीफ़ पल्स थैरेपी (बीपीटी) एक नज़र में

जब इसका उपयोग ओपीडी प्रक्रिया के रूप में किया जाता है, तो रोगी को भर्ती होने की आवश्यकता नहीं होती है और वह बीपीटी के समय पर आ सकता है, तथा वह इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद कुछ ही घंटों में मुक्त हो जाता है.

बॉयलेज़ एपारेटस

प्रकार

आउट–पेशेन्ट (ओपीडी) और
इनडोर–पेशेन्ट (आईपीडी) प्रक्रिया.

प्रक्रिया की अवधि

15–20 मिनट (सामान्य समय)

निल पर ओरल की अवधि

3–4 घंटे
(ठोस भोजन और तरल)

आवश्यक बीपीटी की संख्या

6 बीपीटी का सामान्य कोर्स होता है.
12 बीपीटी तक की आवश्यकता हो सकती है.

मेन्टेनेन्स बीपीटी

इसकी आवश्यकता हो सकती है.

प्री बीपीटी-वर्कअप

कंप्लीट ब्लड काउंट (सीबीसी),
एस. इलेक्ट्रोलाइट्स, एस. क्रिएटिनाइन,
एसजीपीटी, ईसीजी एक्स–रे, सीटी–स्कैन/
एमआरआई ब्रेन (आवश्यकता होने पर)

जानिए इस प्रक्रिया के बारे में

- इस प्रक्रिया के लिए रोगी को खाली पेट आना होता है. इस प्रक्रिया के पहले 3–4 घंटे तक कोई ठोस या तरल पदार्थ, जिसमें पानी भी शामिल है, नहीं लेना चाहिए.
- बीपीटी में उद्दीपन देने से पहले, एक प्रशिक्षित एनेस्थीसियोलॉजिस्ट द्वारा रोगी को बेहोश किया जाता है, जिसके लिए एक उपयुक्त एनेस्थेटिक एजेंट का उपयोग किया जाता है (प्रारूपिक तौर पर लगभग 10–12 मिनट तक काम करने वाले लघुकालीन एजेंटों का उपयोग होता है).
- इसके बाद मांसपेशीय शिथिलीकरण की एक खुराक दी जाती है, जो पूरे शरीर को शिथिल कर देती है.
- फिर विद्युतीय उद्दीपन प्रदान किया जाता है. इसे लगभग 1–3 सेकंड तक दिया जाता है.
- उद्दीपन को देने से चिकित्सीय दौरा आता है, जिसकी निगरानी इस दौरान की जाती है.
- इस प्रक्रिया के अंत में, रोगी एनेस्थीसिया के प्रभाव से बाहर आता है और उसे पूरी तरह से होश आ जाता है. जब रोगी स्थिर हो जाता है, तब उसे छुट्टी दे दी जाती है.
- इस पूरी प्रक्रिया के दौरान रोगी के वायुमार्ग और वेंटिलेशन की निगरानी की जाती है और प्राणाधार संकेतों पर लगातार नज़र रखी जाती है.

उपयोग होने वाले उपकरण

- बीपीटी मशीन: आरएमएस पीसी–एक्टन ब्रीफ़ पल्स थैरेपी मशीन
- मल्टी–पैरामीटर मॉनिटर: फिलिप्स एमपी–5 मल्टी–पैरामीटर मॉनिटर
- बॉयलेज़ एपारेटस और एनेस्थेटिक ट्रॉली
- बीपीएल मोनोफेसिक डेफिब्रिलेटर

दुष्प्रभाव

- बीपीटी के दुष्प्रभाव एनेस्थीसिया के कारण या बीपीटी प्रक्रिया के कारण हो सकते हैं.
- बीपीटी के साथ सर्वाधिक सामान्य तौर पर होने वाले दुष्प्रभावों में शामिल हैं इस प्रक्रिया के बाद होने वाला शारीरिक दर्द, जबड़ों में दर्द और सिरदर्द. ये दुष्प्रभाव कुछ समय के लिए रहते हैं और इन पर दर्द निवारकों का अच्छा असर होता है (उदा. के लिए डाइक्लोफेनेक सोडियम).
- बीपीटी में कुछ मात्रा में भूलने और भ्रमित होने के रूप में याद्दाश्त संबंधी गड़बड़ियाँ शामिल हो सकती हैं. ये आम तौर पर कुछ घंटों के लिए होता है. कुछ रोगियों में याद्दाश्त संबंधी ऐसी गड़बड़ियाँ 21 दिनों तक अनुभव हो सकती हैं. ये सामान्यत: स्वयं ही सीमित हो जाती हैं और इनके लिए किन्हीं अतिरिक्त दवाओं की आवश्यकता नहीं होती है.
- एनेस्थीसिया संबंधी किन्हीं जटिलताओं को कम के लिए एक गहन प्री–बीपीटी चेकअप किया जाता है.

धारणाएँ	सच्चाईयाँ
बीपीटी एक जाग्रत रोगी को दिया जाता है.	इस पूरी प्रक्रिया में रोगी एनेस्थीसिया के अंतर्गत होता है. बीपीटी को एनेस्थीसिया देने के बाद ही दिया जाता है.
इसमें लंबे समय तक ''बिजली के झटके'' दिए जाते हैं.	इसमें एक विशेष मशीन द्वारा नियंत्रित विद्युतीय उद्दीपन दिया जाता है. इस उद्दीपन की औसत अवधि कुछ सेकंड तक ही रहती है (1–3 सेकंड)
बीपीटी से याद्दाश्त हमेशा के लिए चली जाती है.	बीपीटी में याद्दाश्त को या मस्तिष्क की अन्य संरचना को कोई स्थाई क्षति नहीं होती है.
बीपीटी मस्तिष्क को रीसेट/फैक्टरी रीसेट करता है.	बीपीटी से मस्तिष्क के रासायनिक संतुलन में बदलावों की एक जटिल श्रंखला होती है, जिससे बीमारी ठीक होती है. इसमें मस्तिष्क की संरचना में किसी भी तरह से बदलाव नहीं होता है.
बीपीटी लेने के बाद व्यक्ति पागल हो जाता है.	बीपीटी एक बीमारी का निदान है, इसके कारण कोई बीमारी नहीं होती है.
बीपीटी में रोगी आश्रित बन जाता है.	बीपीटी के कोर्स के बाद किसी भी तरह की आश्रितता नहीं होती है.
बीपीटी को गंभीर मानसिक रोगों के लिए ही दिया जाता है.	बीपीटी को मानसिक रोग से पीड़ित किसी भी रोगी को दिया जा सकता है, चाहे उसकी बीमारी की गंभीरता कुछ भी हो.

इसके बारे में और पढ़ें

विडियो

- https://youtu.be/AcmarVpo2xE
- https://youtu.be/-T0mwzXHgvI
- https://bit.ly/2ISImMC
- https://vimeo.com/178622011

किताबें/आलेख

- https://mayocl.in/2EVIdU5
- https://bit.ly/2GBG15X
- https://wb.md/2GAdX2e
- https://bit.ly/2UJoAWs
- https://bit.ly/2ZvmlJT

रोगी कहते हैं

"मेरी लड़की चार–पाँच साल से डीप्रेशन से पीडित थी. दवाईयों का बहुत ज़्यादा असर नहीं हो रहा था. पार्थ हॉस्पिटल के डॉ. पार्थ और डॉ. प्रियल की सलाह के अनुसार, हमने ईसीटी उपचार करवाया. 6 ईसीटी के बाद मेरी बेटी की बीमारी काफ़ी कम हो गई और पहली बार, बहुत सालों के बाद मैंने उसके चेहरे पर मुस्कुराहट देखी. हम डॉ. पार्थ और डॉ. प्रियल के बड़े आभारी हैं.

– रोगी के पिता
सुरेन्द्र कुमार, इंदौर"

"मेरी पत्नी पिछले 10–15 साल से डिप्रेशन से पीड़ित थी. छः महीने पहले हम डॉ. पार्थ से मिले. उन्होंने मेरी पत्नी के लिए ईसीटी करवाने का सुझाव दिया. हम इसके लिए तैयार नहीं थे, पर डॉ. पार्थ ने हमें समझाया कि ईसीटी बहुत ही सुरक्षित है. डॉ. पार्थ के सुझाव पर अमल करते हुए हमने ईसीटी का इलाज लिया और वह 90% तक पूरी तरह से ठीक हो गई.
डॉ. प्रियल ने मेरी पत्नी को ठीक करने के लिए उसके साथ बैठक भी की. डॉ. पार्थ और डॉ. प्रियल का स्वभाव बहुत ही अच्छा है. वे रोगी की समस्या को समझते हैं और उससे छुटकारा पाने में उसकी मदद करते हैं.

– रोगी के पति
श्री दीपेश नंधा, अहमदाबाद"

डॉ. पार्थ गोयल

एम.डी. (साइकाइट्री)

कंसल्टेंट साइकाइट्रिस्ट

पार्थ हॉस्पिटल, अहमदाबाद

(मो.) 9879725516

drparthgoyal@gmail.com

- इन्होंने येल स्कूल ऑफ मेडिसिन, डिपा. ऑफ साइकाइट्री, यूएसए में 2014 में डॉ. राल्फ हॉफमेन के मार्गदर्शन में ट्रीटमेंट रेसिस्टेंट स्किज़ोफ्रेनियामें रिपिटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिम्युलेशन के उपयोग और ऑडिटरी हेल्युसिनेशन के रिडक्शन में इसकी भूमिका पर एक अनुसंधान में कार्य किया है.
- इन्होंने येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में डॉ. रॉबर्ट ऑस्ट्रॉफ के मार्गदर्शन में अल्ट्रा-ब्रीफ़ पल्स इलेक्ट्रोकंवल्सिव थैरेपी (ईसीटी) के उपयोग में प्रशिक्षण प्राप्त किया है.
- इन्होंने 20 सितंबर, 2015 को एनआईएमएचएएनएस, बैंगलुरू में आयोजित मनोरोग चिकित्सा में नॉन-इंवेसिव ब्रेन स्टिम्युलेशन पर पहले सिंपोज़ियम में ''ट्रांस-क्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिम्युलेशन एज़ ए ट्रीटमेंट ऑप्शन फॉर हेल्युसिनोसिस - ए केस रिपोर्ट'' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया है.
- इन्होंने 4-8 अप्रैल, 2018 तक इटली के फ्लोरेन्स में आयोजित 2018 बाएनियल मीटिंग के लिए ''ट्रांस-क्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिम्युलेशन फॉर सीवियर, पर्सिस्टेंट, ट्रीटमेंट-रिफ्रैक्टरी ऑडिटरी हेल्युसिनेशंस इन स्किज़ोफ्रेनिया'' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया है.
- इन्होंने मेक्टा कॉर्पोरेशन द्वारा सिंगापुर में डॉ. सेकेइम, डॉ. जॉर्ज, डॉ. लू और डॉ. सिएनर्ट द्वारा संचालित इंटरनेशनल कोर्स ऑन इलेक्ट्रोकंवल्सिव थैरेपी में भाग लिया है.

डॉ. प्रियल गोयल

डी.पी.एम. (साइकाइट्री)

कंसल्टेंट साइकाइट्रिस्ट

पार्थ हॉस्पिटल, अहमदाबाद

(मो.) 9724201332

prids134@gmail.com

- मई, 2017 से पार्थ न्यूरोसाइकाइट्रिक हॉस्पिटल में कंसल्टेंट साइकाइट्रिस्ट
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेस (एनआईएमएचएएनएस), बैंगलुरू से न्यूरोस्टिम्युलेशन (ईसीटी, आरटीएमएस, टीडीसीएस) में विशेषज्ञ के रूप में प्रमाणित.
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेस (एनआईएमएचएएनएस), बैंगलुरू से कॉग्निटिव बिहेवियरल थैरेपी में प्रशिक्षित.
- न्यूरोस्टिम्युलेशन, महिला स्वास्थ्य एवं शिशु मनोरोग चिकित्सा में रुचि.

पार्थ हॉस्पिटल

तृतीय तल, सिग्मा एक्सेलेंस,
फाल्गुनी गृह उद्योग के सामने, वस्त्रपुर लेक के पास,
वस्त्रपुर, अहमदाबाद – 380052

एपॉइंटमेंट के लिए कॉल करें

+91 97242 01332 | +91 79401 91241
+91 98797 25516

www.parthhospital.com